

## 山形新幹線臨時ダイヤ

6月17日に東北新幹線および山形新幹線で発生したE8系の車両故障の影響により、当面の間、一部の直通列車を除き、福島駅で山形・新庄駅方面へ折返し運転を行なっています。

ご利用のお客さまには多大なるご迷惑をおかけしておりますこと、深くお詫び申し上げます。

**【福島駅でのお乗り換えについて】**

○ つばさ号は全列車、新幹線ホームを使用して運転します。

○ 同一号数の列車（例：やまびこ123号・つばさ123号）が運転している場合は、福島駅にてやまびこ号からつばさ号、つばさ号からやまびこ号へのお乗り換えを待ち、発車します。

○ 同一号数の列車は混雑している場合がありますので、後続列車のご利用もご検討ください。

○ 列車の時刻・編成両数は変更となる場合がございます。

【きっぷのご購入について】

○運休となったつばさ号の特急券は無手数料で払戻しいたします。

○福島駅でお乗換いただき東北・山形新幹線に乗車する特急券は、えきねっと、指定席券売機、駅のみどりの窓口でご購入ください。

○ 本時刻表記載の17両で運転するやまびこ号の、増結した11～17号車は指定席です。

【下り列車】★高畠駅に臨時停車します

| 列車名 | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  | つばさ |  | やまびこ |  |
|-----|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|
|-----|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|-----|--|------|--|

【上り列車】★高畠駅に臨時停車します

| 列車名 |  |  | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ | やまびこ | つばさ |  |
|-----|--|--|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|--|
|-----|--|--|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|------|-----|--|